

## हरियाणा वधानसभा में महिलाएँ

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में, आगामी हरियाणा वधानसभा चुनावों ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लगातार लैंगिक असमानता को उजागर किया, जो राज्य के ऐतिहासिक लैंगिक असंतुलन को दर्शाता है

### प्रमुख बटु

- **हरियाणा की राजनीति में महिलाएँ:**
  - वर्ष 1966 में हरियाणा के गठन के बाद से केवल 87 महिलाएँ वधानसभा के लिये चुनी गई हैं।
  - राज्य में कभी भी कोई महिला मुख्यमंत्री नहीं रही।
  - हरियाणा का लगानुपात **प्रति 1,000 पुरुषों पर 916 महिलाओं (2023)** पर बना हुआ है।
  - वर्ष 2000 से अब तक हरियाणा में **47 महिला वधायक** चुनी गई हैं।
  - वर्ष 2014 में **13 महिलाओं ने सीटें जीतीं**, जो अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। वर्ष 2019 में यह संख्या घटकर 9 रह गई।
- **महिलाओं के लिये 33% आरक्षण:** संसद और वधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने वाला वधायक हाल ही में पारित हुआ, जो वर्ष 2029 से प्रभावी होगा।
- **वर्ष 2024 में चुनाव लड़ने वाली उल्लेखनीय महिलाएँ:**
  - **आरती सहि राव :** केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सहि की बेटी, अटेली से चुनाव लड़ रही हैं।
  - **शरुत चौधरी:** पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की पोती, तोशाम से चुनाव लड़ रही हैं।
  - **गीता भुक्कल :** चार बार वधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री।
  - **वनिश फोगाट:** कुश्ती आइकन, जुलाना से चुनाव लड़ रही हैं।
  - **सावतिरी जदिल:** एशिया की सबसे अमीर महिला, हिसार से नरिदलीय चुनाव लड़ रही हैं।
  - **चतिरा सरवारा:** कॉन्ग्रेस से टिकट न मिलने पर अंबाला छावनी से नरिदलीय चुनाव लड़ रही हैं।

### महिला आरक्षण अधिनियम, 2023

- **संवधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023**, **लोकसभा, राज्य वधानसभाओं** और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की वधानसभा में महिलाओं के लिये एक तह्रिई सीटें आरक्षण करती है, जिनमें **अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों** के लिये आरक्षण सीटें भी शामिल हैं।
- यह आरक्षण अधिनियम के लागू होने के बाद आयोजित जनगणना के प्रकाशन के बाद प्रभावी होगा तथा 15 वर्ष की अवधि तक लागू रहेगा, जिसका संभावित विस्तार संसदीय कार्यवाही द्वारा नरिधारित किया जाएगा।
- महिलाओं के लिये आवंटित सीटों का रोटेशन प्रत्येक **परसीमन प्रक्रिया** के बाद संसदीय कानून द्वारा नरिंतरित किया जाएगा।
  - **वर्तमान में, 17वीं लोकसभा (2019-2024) के कुल सदस्यों में से लगभग 15% महिलाएँ हैं**, जबकि राज्य वधानसभाओं में महिलाएँ औसतन कुल सदस्यों का 9% हैं।